हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

11 करवाचौथ फेस्टिवल में महिलाओं ने किया डांडिया



12 एचटेट की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने....



36 घंटों से कतार में खड़े परेशान किसानों ने ली राहत की सांस

मुख्य प्रशासक की फटकार, डीएमईओ की मुस्तैदी से देर रात तक खरीदा बाजरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना



कनीना। बाजरे से लदे खड़े वाहन। फोटो: हरिभूमि

नई अनाज मंडी में बाजरा बेचने पहुंचे किसानों को भारी अव्यवस्था और लापरवाही के चलते पिछले 36 घंटों से कड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। किसानों का आरोप है कि मार्केट कमेटी की ओर से समय रहते मंडी गेट पर लगे धर्म कांटे को ठीक नहीं कराया गया, अब उसे उखाड़ा जा रहा है, जिससे मंडी की व्यवस्था और अधिक चरमरा रही है।

किसानों के अनुसार मार्केट कमेटी के सचिव अजीत कुमार और मंडी सुपरवाइजर कुलदीप सिंह की कथित लापरवाही के कारण अपनी खून-पसीने की उपज बेचने आए किसान लंबी-लंबी कतारों में भूखे-प्यासे खड़े रहने को मजबूर थे। अव्यवस्था का शिकार हुए गोमला गांव का किसान बेहौश होकर गिर गया था, वहीं अन्य किसानों की जांन भी दांव पर लगी हुई थी।

खेतों में रबि फसल बिजाई के लिए किए जा रहे पलेवा कार्य को छोड़कर बेबस किसानों ने अपनी पीड़ा मीडियाकर्मियों के सामने रखी रूह कांप उठी।

मीडियाकर्मियों ने किसानों की पीड़ा को समझते हुए उनकी समस्या को हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के उच्चाधिकारियों के सामने रखा। हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक धर्मेंद्र सिंह ने तुरंत एक्शन लेते हुए मार्केट कमेटी सचिव अजीत कुमार और मंडी सुपरवाइजर कुलदीप सिंह को कड़ी फटकार लगाते हुए किसानों को तत्काल राहत दिलाने के निर्दश दिए।

मुख्य प्रशासक ने कहा कि मंडी में किसानों को किसी भी तरह से प्रताड़ति या परेशान नहीं होने दिया जाएगा। इस बारे में उन्होंने उन्होंने जोनल एडमिनिस्ट्रेटर गुरुग्राम जितेंद्र सिंह को पूरे प्रकरण की जांच करने और रोस्टर के तहत 24 अक्टूबर के सभी पंजीकृत किसानों का बाजरा तुरंत खरीदने के सख्त आदेश जारी किए।

जोनल एडमिनिस्ट्रेटर जितेंद्र सिंह ने डीएमईओ सत्यप्रकाश यादव को तुरंत मंडी पहुंचकर मोर्चा संभालने के निर्देश दिए। अधिकारियों की मुस्तैदी के बाद शनिवार देर रात 11 बजे तक बाजरा खरीद कार्य चला। खरीद होने के बाद परेशान किसानों ने राहत की सांस ली और उच्चाधिकारियों का आभार जताया।



कनीना। मंडी में उखाड़ा जा रहा खराब धर्म कांटा। फोटो: हरिभूमि

आज नहीं होगी बाजरे की खरीद

कनीना मंडी में बाजरे की बंपर आवक को ध्यान में रखते हुए मार्केट कमेटी की ओर से रोस्टर जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत 26 अक्टूबर को बाजरे का उठान का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 27 अक्टूबर को कनीना, कैमला, खेड़ी व खड़कड़ावास, 28 अक्टूबर को खैराना, कोका, कोटिया व मानपुरा, 29 अक्टूबर को मोहमदपुर, मोड़ी, मुण्डीया खेड़ा और नांगल, 30 अक्टूबर को नौताना, पड़तल, पाथेड़ा, पोता व रामबास तथा 31 अक्टूबर को रसुलपुर, सेहलंग, सिहोर व सुन्दरह गांव के किसानों की फसल खरीदी जाएगी।

खबर संक्षेप

वाल्मीकि जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

नारनौल। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर 26 अक्टूबर सुबह 10:30 बजे लघु सचिवालय के मीटिंग हाल में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार सभी संत-महापुरुषों की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाती है। इसी कड़ी में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर यह जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

धौलेड़ा में ट्यूबवेल से कंट्रोलर व केबल चोरी

नारनौल। निजामपुर थाना क्षेत्र के गांव धौलेड़ा में चोर किसान के खेत में लगे सोलर ट्यूबवेल से कंट्रोलर व मोटर तक जाने वाली करीब 150 फीट केबल चोरी कर ले गए। किसान ने अपने स्तर पर सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में धौलेड़ा निवासी राजेंद्र सिंह यादव ने बताया कि खेत में सिंचाई के लिए सोलर ऊर्जा से चलने वाला ट्यूबवेल है। बीते दिनों अज्ञात चोर उसके ट्यूबवेल से सोलर कंट्रोलर चोरी कर ले गए। इसके अलावा चोर मोटर तक जाने वाली करीब 150 फीट केबल भी ले गए।

न्यायालय से उद्घोषित आरोपित हिसार से काबू

नारनौल। पुलिस ने न्यायालय से उद्घोषित एक आरोपित को हिसार से काबू करने में सफलता हासिल की है। जिसकी पहचान बिजेंद्र निवासी गांव पातन, जिला हिसार के रूप में हुई है। आरोपित को आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित थाना शहर महेंद्रगढ़ पुलिस के हवाले कर दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपित बिजेंद्र को न्यायालय ने नवंबर 2022 को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। न्यायालय के आदेशों की अवहेलना के संबंध में आरोपित के विरुद्ध थाना शहर महेंद्रगढ़ में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

श्री अनाथ गोशाला में लगाई सवामणी

नारनौल। शरद पूर्णिमा के अवसर पर सत्यनारायण शर्मा सेवानिवृत्त मुख्यअध्यापक व उनके पुत्र सोनु शर्मा गांव जौड़िया कोटकासीम राजस्थान ने हरि सब्जी गोमाता को खिलाकर सेवा की। उनके साथ उनकी पुत्री सरीता शर्मा ने भी गोसेवा कर पुण्य फल प्राप्त किया। सर्वप्रथम गोशाला संरक्षक जयप्रकाश मांदी व प्रधान उज्जनपाल ने यजमान व परिवार को सम्मान सूचक पगड़ी व दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। मौके पर सत्यनारायण शर्मा, सरीता शर्मा, गोशाला संरक्षक सुनील यादव नांगलिया, गोशाला संघ के प्रधान अरुण कौशिक, अनाथ गोशाला सचिव खेमचन्द आदि मौजूद थे।

बढ़ते यातायात दबाव व सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने में मददगार साबित होंगी ट्रैफिक लाइटें: प्रधान

महेंद्रगढ़ में ऑटोमैटिक ट्रैफिक लाइटें लगाने का कार्य शुरू, 3 दिन में पूरा होने की संभावना

शहर की यातायात व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा

राव तुलाराम चौक और महाराणा प्रताप चौक पर लगाई जा रही हैं आधुनिक ट्रैफिक लाइटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर की यातायात व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुचारू बनाने की दिशा में नगर पालिका की ओर से एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। शहर के दो प्रमुख एवं व्यस्ततम चौराहों राव तुलाराम चौक और महाराणा प्रताप चौक पर लगभग 25 लाख रुपये की लागत से आधुनिक ऑटोमैटिक ट्रैफिक लाइटें लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। आगामी दो से तीन दिनों में यह कार्य पूरा होने की संभावना है।

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि शहर में लगातार बढ़ते वाहनों के दबाव को देखते हुए प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें लगाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। विशेष रूप से राव तुलाराम चौक और महाराणा प्रताप चौक पर दिनभर वाहनों की आवाजाही अधिक रहने के कारण कई बार यातायात अव्यवस्थित हो जाता है। इससे वाहन चालकों, पैदल यात्रियों, विद्यार्थियों एवं आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में नगर पालिका की ओर से लगभग 25 लाख रुपये की लागत से दोनों चौराहों पर आधुनिक ऑटोमैटिक ट्रैफिक लाइटें लगाने की योजना तैयार की गई थी, जिसे अब धरातल पर उतारने का कार्य शुरू हो चुका है।

महेंद्रगढ़ को आधुनिक एवं व्यवस्थित शहर बनाना हमारा संकल्पः रमेश

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि हमारा उद्देश्य महेंद्रगढ़ को एक स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित करना है। शहरवासियों को बेहतर सड़कें, पर्याप्त रोशनी, सुचारू यातायात व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए नगरपालिका लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शहर की सभी समस्याओं का एक साथ समाधान संभव नहीं है, लेकिन प्रत्येक समस्या का चरणबद्ध तरीके से समाधान करने के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। प्रधान रमेश सैनी ने शहरवासियों से अपील की कि ट्रैफिक लाइटें शुरू होने के बाद सभी वाहन चालक यातायात नियमों एवं सिग्नलों का पालन करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।



महेंद्रगढ़। लाइट लगाने का कार्य शुरू करवाते प्रधान रमेश सैनी। फोटो: हरिभूमि

वाहनों के दबाव के अनुसार संचालित होंगे ट्रैफिक सिग्नल

दोनों चौराहों पर आधुनिक तकनीक आधारित ट्रैफिक सिग्नल लगाए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित करना तथा अनावश्यक जाम की स्थिति को कम करना है। योजना के अनुसार वाहनों के दबाव के अनुरूप रेड और ग्रीन सिग्नल के संचालन की व्यवस्था की जाएगी, जिससे यातायात को अधिक सुचारू बनाने में सहायता मिलेगी। शहर में ट्रैफिक लाइटों के लगने से वाहन चालकों को निर्धारित सिग्नल के अनुसार चलने की सुविधा मिलेगी। नगर पालिका प्रधान ने बताया कि संबंधित एजेंसी द्वारा दोनों स्थानों पर ट्रैफिक लाइटें लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यदि कार्य निर्धारित योजना के अनुसार चलता रहा तो आगामी दो से तीन दिनों में ट्रैफिक लाइटें लगाने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद आवश्यक तकनीकी जांच एवं परीक्षण के उपरांत इन्हें यातायात संचालन के लिए शुरू किया जा सकेगा।

बढ़ती जरूरतों के अनुसार विकसित की जा रही सुविधाएं

महेंद्रगढ़ शहर का लगातार विस्तार हो रहा है। वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को आधुनिक बनाना भी आवश्यक हो गया है। नगरपालिका का प्रयास है कि शहर में केवल सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट एवं साफ-सफाई तक ही विकास कार्य सीमित न रहें, बल्कि आमजन की सुविधा से जुड़ी प्रत्येक आवश्यक व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए। शहर में सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत, नई स्ट्रीट लाइटें लगाने, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने, सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार तथा अन्य विकास कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

प्रधान ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

महेंद्रगढ़। नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी एवं उपप्रधान मंजू कौशिक ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर चल रहे विकास कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया तथा संबंधित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सबसे पहले उन्होंने लगभग 35 लाख रुपये की लागत से बनने वाले राव बहादुर सिंह की कोठी से ब्रह्मचारी रोड होते हुए सब्जी मंडी गेट तक सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। प्रधान रमेश सैनी और उप प्रधान मंजू कौशिक ने बताया कि इस सड़क के निर्माण की मांग स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों एवं राहगीरों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। इसके पश्चात दोनों जनप्रतिनिधियों ने बगीची-बुचोली रोड से माजरा रेलवे पुल तक तैयार किए जा रहे वैकल्पिक सड़क मार्ग का निरीक्षण किया।

उन्होंने बताया कि माजरा रेलवे फाटक जल्द बंद किए जाने की संभावना को देखते हुए आमजन को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के रूप में तैयार किया जा रहा है। फिलहाल बजट की कमी के कारण सड़क को पैचवर्क के माध्यम से आवागमन योग्य बनाया जा रहा है। भविष्य में पर्याप्त बजट उपलब्ध होने पर इस मार्ग के समुचित निर्माण का प्रयास किया जाएगा। इसके बाद प्रधान रमेश सैनी ने लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन आधुनिक नगरपालिका हाउस भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन निर्माण में प्रयोग की जा रही सामग्री एवं कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। प्रधान रमेश सैनी एवं उपप्रधान मंजू कौशिक ने संयुक्त रूप से कहा कि नगर पालिका द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें तथा कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि शहर की जर्जर सड़कों को दुरुस्त करवाना, नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना तथा निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा करवाना नगर पालिका की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की नियमित निगरानी जारी रहेगी और किसी भी कार्य में गुणवत्ता संबंधी कमी पाए जाने पर संबंधित एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।



महेंद्रगढ़। विकास कार्यों का निरीक्षण करते प्रधान।

एसआईटी कर रही भागदौड़, 5 दिन बाद भी आरोपित किन्नरों की गिरफ्तारी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मंगलमुखी किन्नर समाज के प्रधान विनोद सैनी की आत्महत्या मामले में पांच दिन बीत जाने के बाद भी आरोपित किन्नरों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पीड़ित परिजन व परिचित एसपी के आश्वासन पर सहमत तो जरूर हुए, पर अभी तक गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज भी है। पुलिस का तर्क है कि गठित की गई एसआईटी पूरे मामले की तह तक जाने में जुटी हुई है। गिरफ्तारी के भी प्रयास किए जा रहे है। हैरानी की बात है कि इसी मुद्दे पर आरोपित पक्ष से जुड़े भिवानी के किन्नर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा कर रहे है कि नामजद किन्नरों को किसी अज्ञात से अगवा कर लिया है।

आपको बताते चले कि 21 अक्टूबर सुबह करीब छह बजे मंगलमुख किन्नर समाज के प्रधान कहे जाने वाले विनोद सैनी कमरे में रस्सी से लटके हुए थे। परिजन ने उसे उतारा और निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने विनोद सैनी को मृत घोषित कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद मृतक की पत्नी ने सिटी थाना में शिकायत दर्ज करवाकर किल्लर बुलबुल, महक व टीना पर पति को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। इस शिकायत के साथ पीड़िता ने मृतक की ओर से छोड़े गए सुसाइड नोट की प्रतियां भी पुलिस को सौंपी थी। उसी शाम को विरोध स्वरूप परिजन व परिचितों ने सिटी थाना में जाकर गिरफ्तारी की मांग की थी। बाद में अंतिम संस्कार के बाद परिजनों ने लघु सचिवालय पहुंचकर एसपी दीपक कुमार से मुलाकात की थी। इस पूरे घटनाक्रम को देखते हुए एसपी ने एसआईटी गठित की। इस एसआईटी में एएसपी विरेंद्र कुमार की अगुवाई में पांच पुलिस अधिकारियों को भी शामिल किया गया। अभी यह एसआईटी मामले की जांच में जुटी हुई है।



विनोद सैनी ने किया सुसाइड, तीन किन्नर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस

पुलिस गंभीर, जांच के लिए एसआईटी गठित

अंतिम संस्कार से सीधे एसपी कार्यालय पहुंचे लोग एसपी का आश्वासन...जल्द करेंगे गिरफ्तारी

नारनौल। 22, 23, 24 अक्टूबर को प्रकाशित समाचार।

क्या कहते हैं एएसपी

मामले के लिए गठित एसआईटी के इंचार्ज एएसपी विरेंद्र कुमार ने बताया कि एसआईटी अपने कार्य में दिन रात जुटी हुई है। अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्रयास लगातार जारी है।

पुलिस व आरोपित पक्ष से जुड़े लोगों के बयान में संशय

मृतक विनोद सैनी ने 21 अक्टूबर को आत्महत्या की और उसी दिन एफआईआर दर्ज हो गई। इस बात को पांच दिन बीत चुके है। परिजना आरोपित नामजद किन्नरों की गिरफ्तारी की लगातार पुलिस से मांग कर रहे है। वहीं दूसरी ओर इसी मामले में आरोपित पक्ष से जुड़े भिवानी किन्नर ने बीते दिन प्रेसवार्ता पर दावा किया है कि पुलिस रिकॉर्ड में आरोपित किन्नर बुलबुल, महक व टीना का किसी ने अपहरण कर लिया है। उनके अनुसार कई व्यक्ति डंडे लेकर आए थे, जो इनको उठाकर ले गए। वह सीसीटीवी का डीवीआर भी ले गए।

हाई-पावर्ड वर्क्स कमेटी ने 18.70 करोड़ की परियोजना को दी मंजूरी

जिले की पांच नगर पालिकाओं में ठोस कचरा प्रबंधन को हरी झंडी

- कनीना, अटेली, महेंद्रगढ, नारनौल व नांगल चौधरी की जनता को मिलेगा फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल/कनीना

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और ठोस कचरा प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में एक अहम फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल की अध्यक्षता में आयोजित हाई-पावर्ड वर्क्स कमेटी की उच्च स्तरीय बैठक में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की टेंडर दरों पर विचार-विमर्श के बाद उन्हें औपचारिक मंजूरी प्रदान की गई।

कनीना नगर पालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि बैठक में जिले के प्रमुख शहरी निकाय नगर परिषद नारनौल, नगर पालिका महेंद्रगढ़, कनीना, नांगल चौधरी और अटेली मंडी क्लस्टर में दैनिक ठोस कचरा प्रबंधन परियोजना को चर्चा के लिए रखा गया। इस विस्तृत परियोजना की डीएनआईटी राशि 18.70 करोड़ निर्धारित की गई है। विस्तृत विचार-विमर्श और टेंडर दरों के सफल नेगोशिएशन के उपरांत दरों को आधिकारिक स्वीकृति दे दी गई। इस निर्णय के साथ ही कनीना क्लस्टर में कचरा प्रबंधन कार्य को जमीन पर उतारने का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है।

इस 10 वर्षीय इस योजना के तहत कनीना स्थित मानका वाली बणी में बनाए गए डंपिंग यार्ड को रिजर्व कर दिया जाएगा, जिससे आमजन को राहत मिलेगी। यहां पर डाले जाने वाले कचरे को सीधे रघुनाथपुरा नारनौल रिसाइकिल साइट पर डाला जाएगा। इतना ही नहीं इस कचरे को रिसाइकिल कर यूजफुल बनाया जाएगा।

क्लस्टर आधारित इस परियोजना के धरातल पर उतरने से कनीना सहित आसपास के सभी संबंधित क्षेत्रों में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले घरेलू और व्यावसायिक कचरे का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित ढंग से निस्तारण हो सकेगा।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, पृथक्करण और प्रसंस्करण प्रणाली भी मजबूत होगी, जिससे क्षेत्र में गंदगी और खुले में कचरा फेंकने की समस्या से निजात मिलेगी। नगर पालिका कनीना प्रशासन के अनुसार इस परियोजना से न केवल शहर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार होगा, बल्कि नागरिकों को प्रदूषण मुक्त और स्वस्थ वातावरण भी मिलेगा।

रिम्पी लोढ़ा ने कहा कि नगर पालिका जनहित और बुनियादी विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने तथा स्वच्छ कनीना, स्वस्थ कनीना, श्रेष्ठ कनीना, के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



नारनौल/कनीना। बैठक में कलस्टर आधारित परियोजना को मंजूरी प्रदान करते मुख्यमंत्री व मंत्री। फोटो: हरिभूमि



खेलों में हरियाणा

भारतीय खेलों में हरियाणा का स्थान अत्यंत प्रमुख और अग्रणी है। देश की कुल आबादी का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अधिकांश पदक इसी राज्य से आते हैं। ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते जाने वाले कुल पदकों में से आधे से अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम होते हैं। नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया जैसे कई बड़े खिलाड़ियों का संबंध हरियाणा से है।

हरियाणवी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना के स्वर

लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है।



संस्कृति

सत्यवीर नाहड़िया



देश और दुनिया में अपनी स्वर्णिम सैनिक संस्कृति तथा समृद्ध शहादत परंपरा के लिए विख्यात वीरभूमि हरियाणा की अनूठी लोक संस्कृति में लोकगीतों का अपना विशिष्ट मौलिक महत्व है। जय जवान, जय किसान का प्रतिरूप यह सैन्य प्रदेश भले ही आबादी तथा क्षेत्रफल के आधार पर देश का दो फ़ीसदी के आसपास है, किंतु इसके समृद्ध सैन्य इतिहास का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणवी है। इसी प्रकार शहादत परंपरा में भी इस वीर प्रसविनी धरा ने उच्च आदर्श एवं कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात चाहे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की रही हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रव्यापी संघर्ष की रही हो या फिर आजादी प्राप्ति के बाद भारत-चीन की 1962, भारत-पाक के बीच 1965, 1971 व 1999 की लड़ाइयों की रही हो या फिर विभिन्न शांति ऑपरेशंस की हो, हरियाणा के रणबांकुरों ने अपने बलिदान एवं अदम्य साहस से निरंतर इतिहास लिखा है। इस माटी के लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना की इस भावभूमि को सहज ही महसूस किया जा सकता है।

लोकगीत लोक के गीत होते हैं, लोक मानस के गीत, जनमन के गीत, जिनमें लोकाचार लोक विश्वास, लोक परंपराएं, लोकजीवन, लोक मूल्य तथा इन सबसे जुड़ी विस्तृत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंतर्निहित होती है। यही कारण है कि लोकगीतों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, नैतिक तथा मनोवैज्ञानिक महत्व होता है। लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है। लोकगीतों के रचनाकार तथा रचना स्थल निर्धारित नहीं होते, क्योंकि वे किसी रचनाकार विशेष की संपदा न होकर समूचे लोक की अनूठी विरासत होते हैं। हरियाणा के लोकगीतों का फलक बेहद विस्तृत व समृद्ध रहा है, किंतु इस आलेख में हम संक्षिप्त एवं प्रतीक रूप में केवल राष्ट्रीय चेतना से जुड़े लोकगीतों की चर्चा करेंगे।

घर-घर फौजी वाले हरियाणा प्रदेश के चप्पे-चप्पे में शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, जांबाज सैनिकों के अनूठे बलिदान शौर्य और त्याग की मार्मिक कहानी व्याप्त है। आजादी से पहले तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हरियाणा की सैन्य परंपरा ने देश व प्रदेश के सैनिक इतिहास को निरंतर समृद्ध करते हुए अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं,जिसके चलते हरियाणा प्रदेश तथा सैन्य परंपरा एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। इन तमाम तत्वों एवं पहलुओं की पृष्ठभूमि को हरियाणा प्रदेश के लोकजीवन के संस्कारों तथा इन्हीं विषयों पर केंद्रित लोकगीतों से बखूबी समझा जा सकता है। इस वीर प्रसूता धरा के लोकगीतों में कहीं फौज में भर्ती होने की प्रेरणा है, तो कहीं कुल की आन निभाने का संकल्प, कहीं विरह वेदना के मार्मिक शब्दचित्र हैं, तो कहीं शहादत का भावपूर्ण मार्मिक चित्रण। इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है, एक चर्चित लोकगीत में यह भावभूमि कुछ इस प्रकार है-

खाकी बड़दी पहर लई मनै, कर लिया हार सिंगार।
फौज म्हं चालूंगी ओ पिया, ले सारे हथियार।।

इसी प्रकार एक अन्य लोकगीत में नवविवाहिता को विरह वेदना में छोड़कर फौज में भर्ती होने वाले नौजवान पति के प्रति उसकी मार्मिक भावनाएं मुखरित हुई हैं-

हे री मेरी गळ की गळसरी बेच, पति नै घोड़ा ले लिया हे..!
वो तै दूर गया बेपरीता, जाय अंबाळा पोहंचा हे...
उनै गेरा जुबानी तार, माता ए हम तै भरती हो लिया हे..
मेरी सासू बुज्झै बात- बहू तेरा के के लेग्या हे...?
हे मेरा लेग्या हारसिंगार, चैन तै सारा लेग्या हे...

इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है।

दिन की लेग्या भूख, रात की निंदिया लेग्या हे...
मेरा लेग्या हँसना-सुभाव, मनै उदासी दे गया हे...!!

हरियाणा प्रदेश में पड़ोसी देशों के साथ हुए युद्धों पर भी कुछ लोकगीत प्रकाश में आए हैं। एक लोकगीत में एक बहन अपने फौजी भाई से युद्ध में पीछे कदम न हटाने की बात कहकर जोश भरती है -

पापी दुसमन खड्या पहाड़ सा,खड्या-खड्या सब लुट्टै सै...!
म्हारे देस पै हमला कर दिया पापी पाकिस्तान नै..!
मत उलटा हटाइए रै, ओ माँ के जाए बीर...!!

हरियाणा प्रदेश में आर्य समाज का अच्छा खासा प्रभाव रहा है, जिसके चलते यहां के लोकगीतों में आर्य समाज से जुड़ी भावभूमि, राष्ट्रीयता तथा संस्कारों की भावना देखी जा सकती है-

आओ भाणो मिलकै सारी दयानंद की जै बोल्लो...!
आर्य समाज में आया करो, थम धक्के खाती मत डोल्लो...!
देस का मन बढ़ाणा सीखो,
पढ़णा और पढ़ाणा सीखो,
देस-धरम हो सबतै पहलम,
बच्चां नै समझाणा सीखो।
बलिदान नै सीस नवावो,
नहीं भूलकै कम तोल्लो..!
आओ भाणो मिलकै सारी,
दयानंद की जै बोल्लो...!!

इस सैनिक संस्कृति तथा सामाजिक क्रांति की अलख के अलावा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि से से जुड़े अनेक लोकगीत राष्ट्रीय चेतना के पर्याय कहे जा सकते हैं।

हरियाणा के लोकगीतों में शहादत के बेहद मार्मिक पक्ष भावविभोर कर देते हैं। राष्ट्रीय चेतना के सच्चे संवाहक इन लोकगीतों से हरियाणा की वीरभूमि की कुर्बानियों का मर्म सहज ही समझा जा सकता है। एक ऐसे ही लोकगीत की बानगी-

वा काढ़ जनाना,ले मर्दाना,हुई सीम की राही।
बाबूजी मनै पिया मिला दे,सूरत सिंह की ब्याही।
ऐ रोवा मत ना बेटी बावळी, रोया ना करिए। जिसकी खूज्या चीज रेत म्हं,टोह्या ना करिए।
क्यूं ना टोहूं चीज रेत म्हं,हिंद पै ज्यान गँवाई..!
क्यूंकर सबर करूं बाबूजी,सगी नणद का भाई...!!

कुल मिलाकर ऐसे सैकड़ों लोकगीत हरियाणा प्रदेश की सैन्य संस्कृति तथा शहादत परंपरा के प्रमाण होने के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी राष्ट्रीय चेतना के अनूठे माध्यम बनाकर इस वीर भूमि की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय चेतना के पक्षधर, पोषक व सजग प्रहरी इन अनमोल लोकगीतों पर अभी बहुत कार्य होना बाकी है।

जरूरत इस बात की है कि हरियाणा प्रदेश के राष्ट्रीय चेतना पर आधारित ऐसे सभी लोकगीतों को एकत्रित कर उन पर शोध कार्य करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कार्य किया जाए।

कविता

सुधीर ढांडा



बँधी हो जैसे डोर तै पतंग

तू सै मेरे दिल की उमंग,
बँधी हो जैसे डोर तै पतंग,
साँसे तेरी महकती ऐसे,
जैसे फैली सै हवा मै तरंग।

कमर तेरी यूँ बल खावै ,
जैसे लहरावै खेत मै भुजंग।
मुँह बटवा सा, नाक सुवा सा ,
हो नै जावै तेरी किसे तै जंग।

आँख याँ तेरी मोटी मोटी,
हो जैसे कोई डूंगी सुरंग।
सम्भल कर निकलणा घर तै,
कदे पाछै पड़ जै कोई मलंग।

हर मोड़ मै इब रावण खडे सै,
कर देवेंगे तैनै आँदी जांदी नै तंग।
पता नी कितने होए सै घायल,
देख कै तेरा यूँ सांवला रंग।

हेमा, रेखा, काजल, सब फीकी पड़गी,
देख कै तेरे इस फैशन का ढंग।
क्यूँ भटकै सै छोरी तू इधर उधर,
जोड़ी बणा ले सुधीर कौल के संग

गीत

दलबीर 'फूल'



बचाल्यो हरियाणा रै

या पछवा बाळ करै कमाल, लेकै खास उडारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी

हरियाणा के जमिंदार सदा मसत रहया करते
सरदी, गरमी, बरसा सारी तन पै सहया करते
मुहंकै ऊप्पर साच्ची-साच्ची बात कहया करते
मात पिता गुरुजनों की सदा सीख लहया करते
आदर मान उड़ा लेग्यी ईब चालैं तेग दुधारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..1

मंहगाई सिर चढकै बोल्ली ना कोय भी मोल रहे
डब्बा बंध पैकिंग होग्यी ना पहले आळे तोल रहे
भाई-भाई इब दुश्मन होग्ये नही प्यार के बोल रहे
दामण चीर ओढणा आंगी ना पांया मैं रमझोळ रहे
ना वो नेजू डोल रहये ना कूवे की पणिहारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...2

फागण के मैं गाई जा वो धमाल ना रही
लहरा बीन किलांट की सुर ताल ना रही
पिच्चू, पींहल, खूग्यी सारी, वो जाळ ना रही
सस्ता भोजन गरीब की वो दाळ ना रही
सटाल ना रही वो पिछली, बदल गये पंसारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..3

बड़ पिपळ मैं घाल पींघ छोहरी पींघ चढाया करती
सखी सहेली मिलकै सिंझया झोड़ तिराया करती
सुहाग भाग की खात्यर सब कात्यक नहाया करती
मेरा नो डाण्डी का बीजणा लोक गीत गाया करती
ईब गावैं सीला की जवानी ईलू - ईलू कवांरी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

हमारी रसोई का पारंपरिक बर्तन हुआ करती थी ग्रामीण जीवन की एक भूली-बिसरी पहचान

पलिया : दूध की हर बूंद का हिसाब रखने वाला पारंपरिक बर्तन



जनजीवन

रवि यादव

कभी गांव के कच्चे घरों की दीवारों पर टंगी छोटी-बड़ी वस्तुएं केवल घरेलू सामान नहीं हुआ करती थीं, बल्कि वे हमारी जीवनशैली, परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवंत गवाह भी थीं। ऐसी ही एक वस्तु है पळिया, जिसे हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में पला, पळि या पळिया जैसे नामों से जाना जाता रहा है।

बिना लिपाई-पुताई वाली किसी कच्ची दीवार में गाड़ी गई कील पर टंगा यह छोटा-सा धातु का बर्तन आज भले ही सामान्य लगे, लेकिन चार-पांच दशक पहले ग्रामीण जीवन में इसका विशेष महत्त्व हुआ करता था। चालीस-पचास वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों के लिए यह बर्तन बचपन की उन स्मृतियों को ताजा कर सकता है, जब घर में दूध की कढ़ावनी चढ़ती थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य तक दूध पहुंचाने की जिम्मेदारी घर की बुजुर्ग महिलाओं के कंधों पर होती थी।

पशुधन और दूध से जुड़ा था ग्रामीण जीवन

चार-पाँच दशक पहले हरियाणा के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या खेती और पशुपालन के इर्द-गिर्द घूमती थी। गाय, भैंस और बैल केवल पशु नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हुआ करते थे। घर में दुधारू पशु होना समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जाता था। सुबह-शाम दूध दुहना, उसे गर्म करना, बच्चों को पिलाना, दही जमाना, मक्खन निकालना और घी तैयार करना ग्रामीण महिलाओं की नियमित दिनचर्या में शामिल था। घर का दूध, घर का दही और घर का घी परिवार की जरूरतों को पूरा करते थे। इसी दूध-केंद्रित घरेलू व्यवस्था में पळिया जैसे छोटे बर्तन की अपनी उपयोगिता थी।

बड़े कुनबे और माताओं का अपना गणित

उस समय परिवार बड़े हुआ करते थे। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और कई बच्चे साथ रहते थे। रसोई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के पास होती थी। परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरत का ध्यान रखना आसान काम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद घर की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव और समझ से पूरी व्यवस्था संभालती थीं। वे अनपढ़ भले ही रही हों, लेकिन घरेलू प्रबंधन में उनका अनुभव किसी गणितज्ञ से कम नहीं था। किस बच्चे को कितना दूध देना है, किसके लिए रोटी बचाकर रखनी है और सुबह के दूध में से शाम तक की जरूरत कैसे पूरी करनी है, इसका हिसाब उन्हें अच्छी तरह मालूम रहता था। न कोई लिखित सूची, न कोई कैलकुलेटर और न ही माप-तौल के आधुनिक उपकरण। अनुभव ही उनका सबसे बड़ा ज्ञान था। ऐसे ही घरेलू गणित को आसान बनाने में पळिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यह केवल दूध निकालने का साधन नहीं था, बल्कि बड़े परिवार की रसोई व्यवस्था का एक उपयोगी हिस्सा था। ग्रामीण घरों में दूध गर्म करने के लिए प्रायः



मटकेनुमा कढ़ावनी का इस्तेमाल किया जाता था। इसे चूल्हे या हारे में रखकर दूध गर्म किया जाता था। रात को जब चूल्हे पर रोटियां बनतीं, तब घर के बच्चों को खाना खिलाने का क्रम शुरू होता था। उस समय आज की तरह हर घर में अनेक प्रकार की सब्जियां और व्यंजन बनाने का चलन सामान्य नहीं था। रोटी, दूध, दही, छाछ और घर में उपलब्ध दूसरी चीजें ही भोजन का आधार होती थीं। कढ़ावनी से सीधे दूध निकालना सुविधाजनक नहीं था। उसका आकार और गर्मी, दोनों ही इस काम को कठिन बना सकते थे। ऐसे में पळिया काम आता था। इसकी बनावट कुछ ऐसी होती थी कि इसे कढ़ावनी में डालकर दूध निकाला जा सकता था। इसकी लंबी डंडी पकड़ने में सहायक होती थी और हाथ को गर्म बर्तन की आंच से अपेक्षाकृत दूर रखती थी। घर की बुजुर्ग महिला पळिया को पकड़कर कढ़ावनी में डालती, दूध निकालती और फिर परिवार के सदस्यों के बर्तनों में उनकी आवश्यकता के अनुसार दूध डाल देती।

दूध मापने का देसी तरीका

पळिया की उपयोगिता का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि उससे दूध की मात्रा का अनुमान लगाना आसान हो जाता था। आकार के अनुसार एक बार में पाव भर या उससे कुछ कम-ज्यादा दूध निकाला जा सकता था। यह मात्रा बर्तन के आकार पर निर्भर करती थी। इस प्रकार घर में दूध बाँटने के लिए अलग-अलग माप के उपकरणों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज बाजार में दूध मापने के लिए विभिन्न प्रकार के मापक बर्तन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन उस समय घरेलू जरूरतों के लिए पळिया जैसा साधन ही पर्याप्त था।

दूध तक सीमित नहीं था इसका उपयोग

पळिया का इस्तेमाल केवल दूध निकालने के लिए ही नहीं होता था। इसकी लंबी डंडी और छोटी कटोरीनुमा बनावट इसे दूसरे घरेलू कामों के लिए भी उपयोगी बनाती थी। थोड़ी-सी मात्रा में सरसों का तेल गर्म करना हो या दीपक की ज्योत जलाने के लिए घी गर्म करना हो, ऐसे अवसरों पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता था। उस दौर में घरों में हर काम के लिए अलग-अलग बर्तन उपलब्ध नहीं होते थे। उपलब्ध वस्तुओं का अधिकतम उपयोग करना ग्रामीण जीवन की विशेषता थी। किसी बर्तन को बेकार छोड़ने के बजाय उससे कई तरह के काम लिए जाते थे। पळिया भी इसी उपयोगितावादी सोच का हिस्सा था।

लोहारों की आजीविका का साधन

पळिया हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उस स्वरूप की भी याद दिलाता है, जिसमें गाँव के अलग-अलग कारीगर एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते थे। लोहार लोहे के औजार और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ बनाते थे। कुछ क्षेत्रों में पळिया लोहे के अलावा पीतल या अन्य धातुओं से भी बनाया जाता था। लोहारिन गाँवों में अपने हाथों से बनाए बर्तन और दूसरी वस्तुएं बेचने आती थीं। इस तरह श्रम, कौशल और घरेलू जरूरतों के बीच एक पारस्परिक संबंध बना हुआ था।

विरासत को सहेजना जरूरी

हमारी ग्रामीण विरासत केवल हवेलियों, पुराने कुओं, तालाबों और ऐतिहासिक इमारतों तक सीमित नहीं है। रसोई के पुराने बर्तन, खेती के औजार, पशुपालन में काम आने वाली वस्तुएँ और घरों में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उपकरण भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। पळिया जैसी वस्तुओं को सहेजने का अर्थ केवल पुराने बर्तनों को जमा करना नहीं, बल्कि उस जीवन-पद्धति को समझना है जिसमें कम साधनों में अधिक काम किया जाता था। इनके माध्यम से नई पीढ़ी जान सकती है कि हमारे पूर्वज किस प्रकार अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते थे, स्थानीय कारीगरों की क्या भूमिका थी और परिवार तथा पशुधन एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए थे।

अभिषेक पंडित ने बैकग्राउंड म्यूजिक से बनाई विशेष पहचान



कलाकार

पुनित शर्मा



अभिषेक पंडित भारतीय संगीत जगत के एक प्रतिष्ठित पार्श्व संगीत निर्माता, संगीतकार और साउंड इंजीनियर हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जन्मे अभिषेक की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई तथा उन्होंने राजस्थान बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत में थी और वे पांचवीं कक्षा से ही तबला बजाने लगे थे। हालांकि उनके परिवार का संगीत से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं था और माता-पिता चाहते थे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके एक इंजीनियर बनें। इसके बावजूद अभिषेक ने अपने भीतर के जुनून का अनुसरण किया और संगीत को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया।

पढ़ाई में भी वे काफी प्रतिभाशाली थे। 12वीं के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रवेश लिया। कॉलेज के इसी दौर में उन्होंने कीबोर्ड बजाना शुरू किया और विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों (स्टेज शो) में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध और पुरानी संगीत परंपरा से जुड़कर उन्होंने वहां की स्थानीय संगीत इंडस्ट्री में एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में कार्य किया तथा अनेक लोकप्रिय गीतों की रिकॉर्डिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफर के दौरान अभिषेक महान संगीतकार एवं गायक रवीन्द्र जैन को अपना आदर्श मानने लगे। वहीं उनके व्यक्तिगत गुरु के रूप में श्याम सारथी का मार्गदर्शन मिला, जो छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग में एक संगीत निर्देशक थे। उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ गिटार वादन कर चुके रुपेंद्र श्रीधर से भी संगीत की गहन तालीम हासिल की। इन सभी गुरुओं के सान्निध्य में रहकर उन्होंने बीजीएम निर्माण, म्यूजिक स्कोरिंग और इंस्ट्रूमेंट अरेंजमेंट की बारीकियों को समझा। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक ओड़िया संगीत उद्योग में कार्य किया और कई फिल्मों के लिए ट्रैक तथा संगीत तैयार किए। इसी कार्य अनुभव के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्ष 2003 से वे पेशेवर रूप से संगीत क्षेत्र में सक्रिय हो गए। कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग सीखने का निर्णय लिया और इसके लिए चेन्नई चले गए। चेन्नई में उन्होंने टी. एन. दास के सहायक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, साउंड डिज़ाइन और आधुनिक स्टूडियो सेटअप से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। लगभग दो वर्षों तक चेन्नई में कड़ा प्रशिक्षण लेने के बाद उनकी पहली पेशेवर नौकरी गोरखपुर के एक म्यूजिक स्टूडियो में लगी। इसके बाद वे दिल्ली आ गए और वहां भी संगीत एवं ऑडियो प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। कुछ समय पश्चात वे मुंबई पहुंच गए, जहाँ उन्हें एक प्रतिष्ठित ऑडियो कंपनी में

हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने चौधर 2, सेफ हाउस 2, छापा, घूंघट, कच्छाधारी और 15 दिन जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया।

कार्य करने का अवसर मिला। मुंबई में रहते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया और कई फिल्मों की ऑडियो तथा बैकग्राउंड म्यूजिक परियोजनाओं में अपना योगदान दिया। अपने करियर के दौरान उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में बीजीएम और साउंड डिज़ाइन का कार्य किया है। वर्ष 2014 में वे अपने गृह नगर अलीगढ़ लौटे। इसी दौरान उनके एक मित्र के माध्यम से उनकी मुलाकात रोहतक में फिल्म से जुड़े निर्देशक से हुई। इसी दौरान उनकी मुलाकात रोहतक में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और प्रोफेसर कविता सोभू से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच जुड़ाव हुआ और वर्ष 2016 में उनका विवाह संपन्न हुआ। हरियाणा के संगीत जगत में कविता सोभू का नाम बेहद आदर के साथ लिया जाता है; वे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में संगीत विषय की प्रोफेसर हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय के लिए अभिषेक वापस मुंबई चले गए, लेकिन नोटबंदी के बाद वे पुनः हरियाणा लौट आए।

हरियाणा में उन्होंने स्थानीय संगीत जगत को आधुनिक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और ऑडियो तकनीक से जोड़ने में योगदान दिया। उन्होंने कई स्टूडियो को तकनीकी मार्गदर्शन, सॉफ्टवेयर और आधुनिक सेटअप उपलब्ध कराने में सहयोग किया। हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने "चौधर 2", "सेफ हाउस 2", "छापा", "घूंघट", "कच्छाधारी" और "15 दिन" जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया। अब तक वे लगभग 18 फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए संगीत दे चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष रहा। आर्थिक कठिनाइयों के बीच उन्होंने दिल्ली में बैंड और चेन्नई के पार्क होटल में डीजे के रूप में काम किया। वर्तमान में वे हरियाणा के जींद में अपने स्वयं के स्टूडियो का संचालन कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

दौंगड़ा अहीर में खेलों का आयोजन 1 नवंबर से

मंडी अटेली। गांव दौंगड़ा अहीर में वीर बालक अमीलाल की स्मृति में एक व दो नवंबर को दो दिवसीय अमीलाल मेमोरियल खेल महाकुंभ आयोजित किया जाएगा। यंग फार्मर क्लब (वाईएफसी) के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में कबड्डी, कुश्ती, एथलेटिक्स और वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। एक नवंबर को लड़कों की अंडर-14 नेशनल कबड्डी, लड़कियों की ओपन कबड्डी और एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं दो नवंबर को ओपन नेशनल कबड्डी, अंडर-16 कबड्डी, कुश्ती और अन्य मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। ओपन नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51 हजार रुपये मिलेंगे।

सुमित्रा का निधन, भिवानी में हुआ अंतिम संस्कार

महेंद्रगढ़। पूर्व संसदीय सचिव राव दानसिंह के भतीजे अरुण राव की माता सुमित्रा देवी का रविवार सुबह



10 बजे निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत आत्मा का अंतिम संस्कार रविवार शाम चार बजे भिवानी में किया गया। सुमित्रा देवी के आकस्मिक निधन पर क्षेत्र के अनेक सामाजिक व राजनीतिक लोगों ने गहरा दुख प्रकट किया है। इस मौके पर साजन सतनाली, प्रीतम महेंद्रगढ़, राजेश गुप्ता, अनिल डागर,अजय सैनी, जितेंद्र चोटीवाला मौजूद रहे।

26वीं प्रभातफेरी में गूंजा राधा नाम

नारनौल। श्री राधे-राधे मित्र मंडल की ओर से मोहल्ला देवस्थान से 26वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। पोत्री मान्या के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित प्रभात फेरी में श्रद्धालुओं ने पावन ज्योति प्रज्वलित कर श्री राधा रानी एवं ठाकुर जी का गुणगान किया। इस दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान मंजू चौबे पत्नी सीताराम चौबे रहे। मंडल सदस्य डॉ. देविंद्र ने बताया कि सहयोग राशि से गोशाला में हरी सब्जियां, चारा और दवाइयों की व्यवस्था की जाती है। मंडल के प्रचार मंत्री परमजीत ने बताया कि अगली प्रभात फेरी हुडा क्षेत्र से निकाली जाएगी।

66 स्कूल मुखियाओं का 5 दिवसीय इन-सर्विस प्रशिक्षण

भावनात्मक रूप से मजबूत स्कूल प्रमुख ही ले सकता है बेहतर निर्णय: विशेषज्ञ

नेतृत्व से लेकर साइबर सुरक्षा और आपदा प्रबंधन तक सिखाए गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल



नारनौल। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने स्कूल मुखिया। फोटो : हरिभूमि

विद्यालय में बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए शिक्षकों के साथ-साथ स्कूल प्रमुख का तनावमुक्त और भावनात्मक रूप से मजबूत रहना भी जरूरी है। विपरीत एवं आपात परिस्थितियों में स्कूल प्रमुख की ओर से सही और सटीक निर्णय लेना विद्यालय के सुरक्षित एवं प्रभावी संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देशन में राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 66 विद्यालय मुखियाओं का पांच दिवसीय इन-सर्विस प्रशिक्षण रविवार को संपन्न हुआ। समग्र शिक्षा के तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय प्रमुखों को प्रभावी नेतृत्व, आपदा प्रबंधन, विद्यालय विकास योजना, साइबर सुरक्षा तथा सुरक्षित विद्यालय वातावरण तैयार करने सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्कूल मुखियाओं में नेतृत्व क्षमता को मजबूत करना और तनावपूर्ण परिस्थितियों में उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम बनाना रहा। कार्यक्रम अतिरिक्त उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, समग्र शिक्षा तरुण कुमार एचसीएस, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार, जिला परियोजना समन्वयक दिलबाग सिंह के निर्देशन एवं अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

योग व तनाव प्रबंधन से लेकर एनईपी तक दिए प्रशिक्षण

कार्यक्रम के संयोजक डीपीसी कार्यालय से शिवराज सिंह उपाधीक्षक तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान महेंद्रगढ़ से स्कूल लीडरशिप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान स्कूल मुखियाओं को योग, श्वसन तकनीक, तनाव प्रबंधन, शिक्षक नेतृत्व, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्कूल प्रमुखों की भूमिका, सुरक्षित विद्यालय नेतृत्व, आपदा प्रबंधन, विद्यालय विकास योजना और विद्यालय आधारित मूल्यांकन सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉ. मंगतराम, डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान, हिपा गुरुग्राम से एडवोकेट करण राव और सुषमा यादव ने विभिन्न सत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षकों ने स्कूल प्रमुखों को परिस्थितियों के अनुरूप नेतृत्व करने, मानसिक दबाव को नियंत्रित रखने और विद्यालय में सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण तैयार करने के व्यावहारिक तरीके बताए।

प्राचार्या डॉ. प्रोमिला यादव की रही विशेष भूमिका

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्या डॉ. प्रोमिला यादव की विशेष भूमिका रही। प्राचार्य संगठन के प्रधान वीरसिंह यादव, डॉ. हरीश यादव, जयवीर सिंह, वीरेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया। समापन पर जिला परियोजना समन्वयक दिलबाग सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।



नारनौल। भ्रमण करते एचपीएस स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एचपीएस स्कूल के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण झज्जर स्थित प्रतापगढ़ फार्म हाउस में संपन्न हुआ। भ्रमण में विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लेते हुए हरियाणा की समृद्ध ग्रामीण संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को करीब से जाना। यह शैक्षणिक भ्रमण संस्था के डीन मनोज भारद्वाज के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रतापगढ़ फार्म हाउस पहुंचकर विद्यार्थियों ने ग्रामीण जीवन की विभिन्न गतिविधियों का अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने दीया बनाने, मेहंदी लगाने, कठपुतली नृत्य और जादू के खेल जैसी मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया। इसके साथ ही ऊंटगाड़ी, बैलगाड़ी और ट्रैक्टर की सवारी कर ग्रामीण परिवेश का अनुभव किया। प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए कक्षा-कक्ष की शिक्षा से आगे बढ़कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा व निदेशक पुष्करमल वर्मा ने भ्रमण के सफल आयोजन पर सभी अध्यापकों को बधाई दी।

भारती सैनी ने परिवार के साथ सुनीं मन की बात, स्वच्छता का लिया संकल्प

- त्योहारों के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल



नारनौल। मन की बात कार्यक्रम सुनती भारती सैनी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य भारती सैनी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 139वीं कड़ी को अपने परिवार के साथ घर पर सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने तथा दीपावली और छठ पर्व के अवसर पर स्वच्छता बनाए रखने सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम सुनने के बाद भारती सैनी ने कहा कि 'मन की बात' देश के नागरिकों को प्रेरणादायक कार्यों से जोड़ने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने और स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की दिशा में सभी को प्रयास करना चाहिए।

विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक की भूमिका महत्वपूर्ण

नागरिकों को समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देने से स्थानीय कारीगरों और छोटे कारोबारियों को भी प्रोत्साहन मिलता है। भारती सैनी ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता, स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में भागीदारी का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मन की बात सुन कार्यकर्ताओं ने लिया राष्ट्रसेवा का संकल्प

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने अटेली विधानसभा क्षेत्र के भोजावास मंडल के बूथ नंबर 90 पर बूथ समिति के कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' को सुना। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष सनोज, बीएलए-2, बूथ प्रमुख एवं बूथ समिति के सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि बूथ का कार्यकर्ता भाजपा की असली ताकत, संगठन की रीढ़ और जनसेवा का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। डॉ. राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम राष्ट्रसेवा, सामाजिक सहभागिता और सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देता है। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नेतृत्व में हरियाणा प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी व सह-प्रभारी डॉ. भोला सिंह के मार्गदर्शन में प्रत्येक बूथ पर 10 युवा और 10 महिला कार्यकर्ताओं को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर बूथ समिति से मदन शर्मा, हनुमान तंवर, जयप्रकाश, नरेंद्र यादव, नवीन, कबूल, वैभव, दीपक, संदीप आदि उपस्थित रहे।



करवाचौथ फेस्टिवल में महिलाओं ने किया डांडिया

- दर्जनों महिलाओं ने लाल रंग की पारंपरिक वेशभूषा और सोलह श्रृंगार कर कार्यक्रम में शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल



नारनौल। करवाचौथ कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

निजी होटल के सभागार में देर शाम को अग्रवाल वैश्य समाज जिला इकाई की ओर से करवाचौथ फेस्टिवल धूमधाम से मनाया गया। समाज की दर्जनों महिलाओं ने लाल रंग की पारंपरिक वेशभूषा और सोलह श्रृंगार कर कार्यक्रम में शिरकत की। ढोलक की थाप पर डांडिया डांस, मजेदार गेम्स के साथ पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। अग्रवाल वैश्य समाज महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष नीता गुप्ता ने कहा कि इस तरह के सामूहिक उत्सव न केवल हमारी संस्कृति को जीवित रखते हैं, बल्कि महिलाओं को एक मंच पर जोड़कर आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। प्रदेश सचिव रितु बंसल ने कहा कि करवा चौथ केवल व्रत नहीं, बल्कि पति-पत्नी के अटूट विश्वास का प्रतीक है। महिला इकाई जिला अध्यक्ष रचना अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल वैश्य समाज धार्मिक उत्सवों के साथ-साथ जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सेवा के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहता है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर समाज की जिला महासचिव मधु गोयल, जिला कोषाध्यक्ष सुनीता गोयल, जिला संगठन सचिव बबली जैन, नीरू गर्ग, पूजा जैन, रंजना अग्रवाल, नीरू मित्तल, पुष्पा जैन, सरोज गर्ग, अनीता जैन, मीरा चौधरी, ज्योति गुप्ता, रेखा जैन, संतोष अग्रवाल, सुमन आदि मौजूद रहीं।

न्यूज डायरी



राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने का लिया संकल्प

मंडी अटेली। संत श्री नामदेव समाज समिति की ओर से प्रथम संत नामदेव जन्मोत्सव वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों व 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों को सम्मानित किया गया। समिति के प्रधान विजय पाल रोहिल्ला व अटेली समिति के पदाधिकारियों की देखरेख में समारोह आयोजित हुआ। विजयपाल रोहिल्ला व मीडिया प्रभारी पेंटर राकेश रोहिल्ला ने अभिनंदन किया। समारोह में जिले के अलावा रेवाड़ी बहरोड़, बावल, नीमराना, खैरथल सहित अनेक स्थानों से रोहिल्ला समाज के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लेकर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लिया। आर्यावर्त पब्लिक स्कूल तुर्कियावास की छात्राओं ने नाम देव महाराज की आरती की। सर्वोदय स्कूल की छात्राओं ने हरियाणवी समूह नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सुभाष चंद वर्मा ठेकेदार रहे, सेवानिवृत्त उप निदेशक पुष्करमल वर्मा, रेवाड़ी समाज के जिला प्रधान सतीश कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।



शहर में निकाली 69वीं प्रभातफेरी

नारनौल। श्री राधा रानी प्रभातफेरी ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को 69वीं प्रभातफेरी मोहल्ला इन्द्रा कॉलोनी निकाली गई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर राधे-राधे नाम का संकीर्तन किया। प्रभात फेरी का शुभारंभ मुख्य यजमान तूनिया देवी वेदप्रकाश वर्मा परिवार ने अपने निवास स्थान पर श्री यूगल सरकार की विधिवत पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलित कर किया। संस्था के संरक्षक चेतन जिंदल ने हरे कृष्णा हरे मुरारी उद्घोष के साथ यात्रा प्रारंभ की। प्रभात फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः मुख्य यजमान के निवास स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर संस्था प्रधान भूपेश संघी, सचिव संदीप गोयल ने बताया कि अगली प्रभात फेरी राजकुमार सैनी मोहल्ला इन्द्रा कॉलोनी से आयोजित की जाएगी।



धर्मसेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया जनसंपर्क

कनीना। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र एवं धर्मसेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौधरी ने रविवार को कनीना विकास खंड के गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों से सीधा संवाद किया और केंद्र व प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार की जनहितैषी नीतियों व कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया। मोहित चौधरी ने नोताना, पोता, बाघोंता, सेहलंग, तलवाना, खेड़ी, अधियार और पाथेड़ा गांवों का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान मोहित ने सरकार की नीतियों और मूल उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।



भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना मन की बात कार्यक्रम

मंडी अटेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 139वें एपिसोड का रविवार को अटेली विधानसभा के बूथ नंबर 90 पर सीधा प्रसारण किया गया। भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व विधायक सीताराम यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने, स्वच्छता बनाए रखने और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर पूर्व विधायक सीताराम यादव ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम केवल रेडियो प्रसारण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम बन चुका है।



18 कुमाऊं रेजिमेंट का इतिहास गौरवशाली: मेजर जनरल रणवीर यादव

मंडी अटेली। 18 कुमाऊं रेजिमेंट का अटेली मंडी में रविवार को स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों ने सेना में बिताए अपने कार्यकाल को याद किया। इसके साथ ही 18 कुमाऊं रेजिमेंट के भारतीय सेना में गौरवशाली इतिहास की यादों को भी साझा किया। कार्यक्रम 15 रेजिमेंट की वीरांगनाओं को भी सम्मानित किया। समारोह में मेजर जनरल रणवीर यादव मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। रेजिमेंट के कैप्टन सूबेसिंह कार्यक्रम के संयोजक के रूप में आने वालों का अभिनंदन किया।

अंजली भगड़ाना पीएचडी की उपाधि से अलंकृत

महेंद्रगढ़। नासा पब्लिक स्कूल के संचालक सुरेश कुमार भगडाना की पुत्रवधु अंजली यादव पत्नी संजीव कुमार ने एनआईटी हमीरपुर हिमाचल प्रदेश से गणित विषय में पीएचडी की। हाल ही में 23 अक्टूबर को आयोजित दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि से अलंकृत किया गया। अंजली यादव ने अपनी पीएचडी की शिक्षा रमेश वत्स के सानिध्य में प्राप्त कर इस मुकाम को हासिल किया। अंजली यादव वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता अतर सिंह, माता रेखा देवी तथा अपने सास ससुर को दिया। उन्होंने बताया कि अगर सच्ची लगन और मेहनत से कार्य किया जाए तो किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।



प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने संयुक्त राष्ट्र दिवस पर राजकीय महिला कॉलेज में करवाई भाषण प्रतियोगिता

वाणी वैभव-2026 के मंच पर गूंजी छात्राओं की ओजस्वी आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल



नारनौल। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संयुक्त राष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में राजकीय महिला महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में 'वाणी वैभव–2026' कॉलेज स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्राओं की अभिव्यक्ति क्षमता, तार्किक चिंतन और वक्तृत्व कला को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय शांति, सहयोग और वैश्विक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। ट्रस्ट के ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व भीमसेन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह व ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा, डॉ. राकेश यादव ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने अपने संबोधन में युवाओं से केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहने, बल्कि वैश्विक घटनाक्रम को समझने, तार्किक दृष्टिकोण विकसित करने और सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की वास्तविक उपलब्धि उनकी प्रतिभा को समाज और राष्ट्र के हित में उपयोग करने में है। प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, विचारों की स्पष्टता और मंच पर अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता विकसित करते हैं। कार्यक्रम संयोजक डाइट प्रवक्ता डॉ. राकेश यादव ने प्रतियोगिता के उद्देश्य और युवाओं के व्यक्तित्व विकास में भाषण कला की भूमिका पर प्रकाश डाला। समन्वयक डॉ. अविनाश यादव ने आयोजन के समन्वय में भूमिका निभाई। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. महेश कुमार ने भाषा, तार्किक प्रस्तुति और प्रभावी संप्रेषण के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

खुशी प्रथम, सोमवती द्वितीय व राजश्री रही तृतीय

भाषण प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी ने प्रथम, बीए अंतिम वर्ष की सोमवती द्वितीय, इसी कक्षा की राजश्री तृतीय स्थान पर रही। निर्णायक मंडल में डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. सुमन यादव व डॉ. अनुराधा ने प्रतिभागियों के भाषणों का मूल्यांकन किया। निर्णायक सहयोगी के रूप में प्रवीण कुमार व भारत सोनी उपस्थित रहे। समापन पर एडवोकेट मोहित यादव ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, गठन और कार्यप्रणाली पर विस्तृत व सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। मंच संचालन स्नातकोत्तर अंग्रेजी की छात्रा मनीषा व स्नातक अंग्रेजी की छात्रा निशु ने किया। इस मौके पर डॉ. महेश, डॉ. अविनाश यादव, भीमसेन शर्मा, पवन कुमार, भारत सोनी आदि उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पताल में जाकर देंगे 10 रुपये में भरपेट भोजन

स्थाई रोटरी रसोई के बाद अब मोबाइल किचन 'अन्नपूर्णा रथ'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मानव सेवा के क्षेत्र में लगातार नई पहल कर रहे रोटरी क्लब सिटी ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट रोटरी रसोई का विस्तार करते हुए रविवार को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर मोबाइल किचन 'अन्नपूर्णा रथ' का शुभारंभ किया। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने हरी झंडी दिखाकर मोबाइल किचन को रवाना किया। इस पहल के तहत जरूरतमंद लोगों को मात्र 10 रुपये में गर्म, स्वच्छ और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मोबाइल किचन के दानदाता हैदराबाद की शिव नारायण फाउंडेशन से प्रमुख समाजसेवी कमल किशोर अग्रवाल विशेष रूप से कार्यक्रम में पहुंचे। अन्नपूर्णा रथ के माध्यम से मुख्य रूप से नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों, मजदूरों तथा असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। रोटरी क्लब की यह लंबे समय से इच्छा थी कि जरूरतमंदों तक भोजन अस्पताल के द्वार पर ही पहुंचाया जाए। मोबाइल किचन के शुरू होने के साथ यह सपना साकार हुआ है। मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि रोटरी क्लब सिटी की रोटरी रसोई और अब अन्नपूर्णा रथ जैसी पहल समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा' की भावना से किया गया कार्य सबसे बड़ा पुण्य है। क्लब ने सेवा कार्य के माध्यम से यह साबित किया है कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना ही सच्ची सेवा है।



नारनौल। अन्नपूर्णा रथ का शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अस्पताल के द्वार तक भोजन पहुंचाने का वर्षों पुराना सपना हुआ साकार

अस्पताल के बाहर प्रतिदिन उपलब्ध होगा भोजन

प्रोजेक्ट इंचार्ज रोटेरियन प्रवीण संघी ने बताया कि रोटरी रसोई क्लब का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसे शहरवासियों के सहयोग से नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। अब अन्नपूर्णा रथ के माध्यम से सेवा का दायरा और बढ़ाया गया है। हमारा प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न सोए। प्रवीण संघी ने बताया कि मोबाइल वैन को आधुनिक सुविधाओं से युक्त किचन के रूप में तैयार किया गया है। इसमें एक साथ करीब 200 लोगों के भोजन को रखने और गर्म रखने की व्यवस्था है। अन्नपूर्णा रथ प्रतिदिन दोपहर के समय नागरिक अस्पताल के बाहर खड़ा रहेगा और जरूरतमंद लोगों को मात्र 10 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मोबाइल किचन के दानदाता एवं शिव नारायण फाउंडेशन हैदराबाद से जुड़े समाजसेवी कमल किशोर अग्रवाल ने कहा कि अपनी जन्मभूमि के लिए कुछ कर पाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। रोटरी क्लब जैसे विश्वसनीय संगठन के माध्यम से सेवा कार्य से जुड़कर उन्हें आत्मिक संतुष्टि मिल रही है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, गोपाल मित्तल, विवेक अग्रवाल, प्रवीण संघी, एडवोकेट राजकुमार यादव, नरेश गोगिया, राजकुमार चौधरी, हितेंद्र शर्मा, पवन गुप्ता, विनय मित्तल, शुभम कंछल, हितेंद्र मित्तल, संजय गर्ग, विजय जिंदल, डॉ. एमएम रावत, बेलाज प्रधान डॉ. उषा यादव, गीतांजलि चौधरी, रेनू मित्तल, निर्मल जिंदल, सुचेता गोगिया, सारिका गर्ग, डॉ. सुनेश यादव मौजूद रहे।

खबर संक्षेप



महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का अनावरण

नारनौल। गांव निवाजनगर स्थित वाल्मीकि चौपाल में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का अनावरण रविवार विधायक ओमप्रकाश यादव ने किया। ग्रामीणों ने विधायक का फूल-मालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने कहा कि आज का दिन क्षेत्र और समाज के लिए ऐतिहासिक एवं सौभाग्य का दिन है। यह गर्व की बात है कि उन्हें महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के अनावरण का साक्षी बनने का अवसर मिला।

इंडिया गठबंधन रैली में जुटेंगे कार्यकर्ता

कनीना। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े सदस्यों की बैठक भवन निर्माण कार्यालय में कामरेड महावीर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसका संचालन शिवकुमार ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली में कनीना, महेंद्रगढ़ और नारनौल क्षेत्र से पार्टी कार्यकर्ता, मजदूर यूनियन कर्मी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। सीपीआई(एम) के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश मौजूद थे।

जेएसी के नेतृत्व में विभिन्न शिक्षक संगठनों ने निकाला विरोध मार्च

एचटेट की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने फूंका सरकार का पुतला

बोले..शिक्षक की योग्यता उसकी शैक्षणिक डिग्रियां, पुराने शिक्षकों पर एचटेट की अनिवार्यता का विरोध करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की अनिवार्यता के विरोध में रविवार को ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के नेतृत्व में विभिन्न शिक्षक एवं कर्मचारी संगठनों ने में प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने सुभाष पार्क से विरोध मार्च निकालते हुए महावीर चौक पर पहुंचकर सरकार का पुतला दहन किया और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षक हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

रविवार सुबह करीब 10 बजे विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि और शिक्षक सुभाष पार्क में एकत्रित हुए। यहां से विरोध मार्च के रूप में महावीर चौक पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि एचटेट की अनिवार्यता का मुद्दा शिक्षकों के भविष्य, सम्मान और सेवा सुरक्षा से जुड़ा है। लंबे समय से नियमित रूप से सेवाएं दे रहे शिक्षकों की परिस्थितियों और समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार को सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे शिक्षकों के अनुभव और उनकी नियुक्ति के समय लागू नियमों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। सरकार को शिक्षकों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऐसा समाधान निकालना चाहिए, जिससे उनके भविष्य और सेवा सुरक्षा को लेकर बनी चिंताओं का निराकरण हो सके।



नारनौल। प्रदर्शन करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

सभी संगठन करते हैं पुरजोर विरोध

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के पूर्व राज्य सचिव धर्मपाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारी हित में लिए जाने वाले निर्णयों को लागू करने में देरी करती है, जबकि कर्मचारी हितों के विपरीत फैसलों को तुरंत लागू कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक की योग्यता उसकी शैक्षणिक डिग्रियों और प्रशिक्षण से निर्धारित होती है। उन्होंने 12वीं, जेबीटी, बीए, एमए और बीएड जैसी शैक्षणिक योग्यताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर एचटेट की अनिवार्यता लागू करने के निर्णय का सभी संगठन पुरजोर विरोध करते हैं।

विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी हुए शामिल

प्रदर्शन में हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान अमीलाल कसाना, हरियाणा मास्टर वर्ग संगठन के प्रधान दीपक शर्मा, हरियाणा हिंदी अध्यापक संघ के राजेश शर्मा झाड़ली, हिंदी अध्यापक संघ के पूर्व कर्मचारी नेता धर्मेंद्र यादव, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अनिल सिसोदिया, एचपीडीए के रामनिवास, सर्व कर्मचारी संघ के कौशल कुमार, ज्वाइंट टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के विजय आकोली, महेंद्र सिंह कनीना, राकेश कुमार पालड़ी, विजेंद्र चौहान सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा महेंद्र बायत ने भी शिक्षकों को संबोधित किया। सभी ने शिक्षक हितों की रक्षा के लिए संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने और मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया।



महेंद्रगढ़। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एमओटीपी मॉडल ऑनलाइन तबादला नीति के विरोध में गरजे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई एमओटीपी मॉडल ऑनलाइन तबादला नीति के विरोध में स्वास्थ्य कर्मचारियों का आक्रोश चरम पर है। इसी कड़ी में रविवार की सुबह महेंद्रगढ़ से सैकड़ों कर्मचारियों ने कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री आवास के घेराव के लिए कूच किया। कर्मचारियों का यह जत्था राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान सिसोठ एवं जिला प्रधान धर्मबीर यादव के नेतृत्व में सुबह सात बजे महेंद्रगढ़ से कुरुक्षेत्र के लिए रवाना हुआ। राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने कहा कि एमओटीपी पूरी तरह से अव्यावहारिक और कर्मचारी विरोधी नीति है। सरकार हमारी मांगों को लगातार अनसुना कर रही है, इसलिए मजबूरन हमें सड़कों पर उतरकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार रेशनलाइजेशन के बहाने एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के पदों को खत्म करना चाहती है, जिसे कर्मचारी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। सरकार को एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के पद खत्म करने की बजाय नई भर्ती करके खाली पदों को भरना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक यह काली नीति वापस नहीं ली जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। जिला प्रधान धर्मबीर यादव ने बताया कि नांगल सिरोही, नारनौल, नांगल चौधरी, दोचाना, कनीना, अटेली, सेहलंग, सतनाली सहित महेंद्रगढ़ जिले के सभी ब्लॉकों से सैकड़ों कर्मचारी इस रोष प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कुरुक्षेत्र जा रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व जिला प्रधान रणबीर सिंह, पूर्व जिला प्रधान अनिल रसूलपूरियां, पूर्व राज्य संगठन सचिव रणसिंह मालडा, पूर्व जिला सचिव ऋषिराज आर्य, जिला वरिष्ठ उप प्रधान विजय जोरासी, मुकेश यादव, स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र, धर्मेंद्र यादव, सुधीर, संदीप यादव, दिनेश, मनोज, लक्ष्मण, अजित, सुधीर, राजपाल सहित सैकड़ों स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

वोट बचाओ-देश बचाओ रैली को लेकर राव नरेंद्र सिंह ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ–देश बचाओ' रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली। जिसमें रैली को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई और कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई।

उन्होंने हरियाणा से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संगठनात्मक स्तर पर तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि मतदाता सूची की निष्पक्षता, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा लोकतंत्र के बुनियादी सवाल हैं। कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उनके विरुद्ध जांच के आधार पर कानूनी कार्रवाई तथा गिरफ्तारी की मांग महारैली के प्रमुख मुद्दों में शामिल होगी। उनका कहना था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर रहते हुए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान संभव नहीं है, इसलिए उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए।

बैठक में कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि वे मतदाता सूचियों में कथित विसंगतियों का रिकॉर्ड तैयार करें, पात्र मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएं।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यदि जांच में लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने या कानून का उल्लंघन करने की जिम्मेदारी प्रमाणित होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली की तैयारियों में जुटें और हरियाणा की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करें।



नारनौल। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते राव नरेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

यादव धर्मशाला में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यादव धर्मशाला में यादव सभा एवं उजाला सिग्नस सुपरस्पेशलिटी अस्पताल रेवाड़ी के संयुक्त तत्वाधान में यादव सभा के कन्वीनर प्राचार्य लालचंद एवं उजाला सिग्नस अस्पताल के डॉक्टरों की देखरेख में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा ने बताया कि निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में पेट, आंत, लीवर और गैस्ट्रो रोग विशेषज्ञ डॉक्टर भूपेंद्र यादव ने जांच की। डॉक्टर धर्मेंद्र फिजिशियन ने अन्य बीमारियों के मरीजों की स्वास्थ्य की जांच की। टीम में शामिल मनीष, किरण यादव, मुस्कान, कृष्ण कुमार ने अन्य जांचों में बीपी, ब्लड शुगर, ईसीजी, पीएफटी में सहयोग दिया। 51 रोगियों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया। यह निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर हर महीने के आखिरी रविवार को यादव धर्मशाला में सुबह 10 बजे से 2 बजे तक आयोजित किया जाता है।



महेंद्रगढ़। मरीजों की जांच करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गेहूं के एमएसपी में 25 पैसे किलो की बढ़ोतरी किसानों से मजाकः दुष्यंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुष्यंत चौटाला ने रविवार को नारनौल व अटेली क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी सरकार पर किसानों की समस्याओं को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसान बुआई के महत्वपूर्ण समय में खाद, बीज और बिजली की उपलब्धता को लेकर परेशान हैं। वहीं बाजरे की खरीद और भुगतान में देरी से भी किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दुष्यंत चौटाला ने गांव नागल सालु स्थित जिण भवानी गोवंश उपचारशाला में आयोजित वार्षिक भंडारे में शिरकत की। इसके बाद वे मोहल्ला जमालपुर निवासी नगर पार्षद संदीप भाखर की दादी के निधन पर उनके निवास स्थान पहुंचे। दुष्यंत चौटाला ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि केवल 25 पैसे प्रति किलो बैठती है, जबकि किसान खाद, बीज, डीजल, बिजली और मजदूरी समेत खेती की लगातार बढ़ती लागत का सामना कर रहा है। ऐसे में इतनी मामूली बढ़ोतरी से किसान को वास्तविक राहत कैसे मिलेगी, यह बड़ा सवाल है। नारनौल दौरे के बाद दुष्यंत चौटाला अटेली हलके के गांव तोबड़ा पहुंचे। यहां उन्होंने नवीन के बनवारीलाल के आकस्मिक निधन पर उनके निवास स्थान पहुंचकर शोक व्यक्त किया और परिवार को सांत्वना दी।



नारनौल। शोक जताते पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जेजेपी जिला प्रधान राजकुमार खातोद, जिला प्रवक्ता विजय छिलरो, राव ओमप्रकाश इंजीनियर, मास्टर हरचंद तोबड़ा, अशोक सैनी, प्रमोद ताखर, बेदू राता, वीरेंद्र घाटाशेर, अजय चौधरी एडवोकेट, विष्णु डाबड़, गोरक्षक मोनू, विजयपाल बार प्रधान, माडूराम, जिलेसिंह गुर्जर, बजरंग गुर्जर, कुणाल शुक्ला, शेखर, सुनील दौगली, धीरज कौशिक, रोहतास रावत, रूपचंद, धर्मेंद्र भाखर, राजबीर, विजय चौधरी एडवोकेट, बोधन, सुंदरलाल, रामपाल, सुशील सहरावत एडवोकेट, होशियार सिंह मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण गोशाला में लगाई सवामणि

कनीना। श्री श्याम दीवाना संकीर्तन मंडल की ओर से रविवार को श्रीकृष्ण गोशाला में शरद पूर्णिमा के मौके पर गोसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मंडल के सदस्यों ने गायों के लिए 5100 रुपये की सवामणी लगाई व लगभग छह क्विंटल हरा चारा खिलाकर पुण्य अर्जित किया। मंडल सदस्यों ने कहा कि हिंदू धर्म में गोमाता की सेवा को सर्वोपरि माना गया है। उनकी सेवा ही वास्तव में सच्ची श्याम सेवा है, जिससे आत्मिक शांति और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295154800, 8295738500, 9253681005

चेतावनी सिविल सर्जन ने जिला शिक्षा अधिकारी को जारी किया पत्र

शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के कटेंगे चालान

- तंबाकू मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कदम उठाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिले में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर अंकुश लगाने और शिक्षण संस्थानों के आसपास तंबाकू मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कदम उठाए हैं। सिविल सर्जन की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी को जारी पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि जिले के सभी सरकारी, अर्धसरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद बेचते पाए जाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कोटपा अधिनियम, 2003 की धारा 6(बी) के तहत चालान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पत्र के अनुसार राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के मिशन निदेशक के आदेशों की अनुपालना में यह कार्रवाई की जानी है। इसके तहत प्रत्येक शिक्षण संस्थान के प्रभारी को अपने संस्थान के 100 गज के दायरे में आने वाली दुकानों की निगरानी करनी होगी। यदि कोई दुकानदार इस प्रतिबंधित क्षेत्र में तंबाकू उत्पाद बेचता पाया जाता है, तो संबंधित व्यक्ति का चालान कटवाना सुनिश्चित किया जाएगा।

माह की दो तारीख को रिपोर्ट भेजने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग ने चालान की कार्रवाई का नियमित रिकॉर्ड रखने और प्रत्येक माह की दो तारीख तक निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट भेजने के निर्देश भी दिए हैं। रिपोर्ट में चालान की क्रम संख्या, रसीद संख्या, चालान काटने की तिथि, चालानों की संख्या, वसूली गई राशि तथा पिछले माह तक की कार्रवाई का विवरण दर्ज करना होगा। निर्देशों के अनुसार चालान से प्राप्त राशि केंद्रीय बैंक ऑफ इंडिया की नारनौल शाखा में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के निर्धारित चालान खाते में जमा कराई जा सकती है अथवा सिविल सर्जन कार्यालय नारनौल में जमा कराई जा सकती है। संबंधित रिपोर्ट विभागीय मेल पर भेजनी होगी। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाना तथा शिक्षण संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। निर्देशों के अनुपालन से जिले में तंबाकू नियंत्रण अभियान को गति मिलने की उम्मीद है।

स्वर्णकार समाज ने मनाई अजमीढ़ जयंती

नारनौल। स्वर्णकार समाज ने महाराजाधिराज अजमीढ़ की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई। इस उपलक्ष्य में मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज ने सभी स्वर्णकार समाज को आमंत्रित किया। सुबह पहले अजमीढ़ चौक पर महाराधिराज अजमीढ़ की मूर्ति पर माल्यार्पण कर आरती की बाहर से आए स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राष्ट्रीय स्वर्णकार संघ बहादुरगढ़ पवन सोनी, नीमकाथाना से महेश सोनी, अशोक सोनी, बाबूलाल, सुरेश ने महाराजा अजमीढ़ को माल्यार्पण किया। इस उपलक्ष्य में मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा ने स्वरूचि भोज प्रसाद का भी आयोजन किया। दयानंद सोनी ने स्वर्णकार समाज को एकजुट होकर राजनीति में अपने हकों की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। इस मौके शंकरलाल सोनी, कैलाश पहलवान, भारत जौहरी, धर्मेंद्र सोनी, मास्टर अशोक सोनी, सतीश सोनी, राकेश सोनी, मदन सोनी, अमरनाथ सोनी, रत्न सोनी, कृष्ण सोनी, सुखीराम सोनी, मंजू सोनी आदि उपस्थित थे।



नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते स्वर्णकार समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि